National Education Society for Tribal Students
New Delhi

Detailed syllabus for the posts of Post Graduate Teachers (PGTs)

pgtprime.com

Syllabus -PGTs

- **General awareness**
  General knowledge and Current affairs with special emphasis in the field of education.
- **Reasoning Ability**
  Puzzles & Seating arrangement, Data sufficiency, Statement based questions (Verbal. reasoning), Inequality, Blood relations, Sequences and Series, Direction Test, Assertion and Reason, Venn Diagrams.
- **Knowledge of ICT**
  Fundamentals of Computer System, Basics of Operating System, MS Office, Keyboard Shortcuts and their uses, Important Computer Terms and Abbreviations, Computer Networks, Cyber Security, and Internet.
- **Teaching aptitude**
  Teaching-Nature, Characteristics, Objectives and Basic requirements, Learner's characteristics, Factors affecting teaching, Methods of Teaching, Teaching Aids and Evaluation Systems.
- **Experiential activity-based pedagogy and case study based**
- **National Education Policy (NEP)- 2020**
- **General English**
  Verb, Tenses, Voice, Subject-Verb Agreement, Articles, Comprehension, Fill in the Blanks, Adverb, Error Correction, Sentence Rearrangement, Unseen Passages, Vocabulary, Antonyms/Synonyms, Grammar, Idioms & Phrases
- **General Hindi**
  संधि, समास, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, सामान्य असुद्धियाँ, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, मुहावरे- लोकोक्तियां, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न |

pgtprime.com

संस्कृतभाषायां शिक्षकानां नियुक्त्यर्थं पाठ्यक्रमः (Syllabus for the Recruitment of Teachers in Sanskrit)

खण्ड क - साहित्य परिचय (गद्य, पद्य एवं नाटक)

निम्न ग्रन्थों के निर्धारित अंको के आधार पर शब्दार्थ, सूक्तियों के भावार्थ, शब्द का व्याकरणात्मक टिप्पणी, चरित्र चित्रण, तथा ग्रन्थकर्ता के परिचय:
कादम्बरी, (कथामुखम), नलचम्पू (प्रथम उच्छवास), शिशुपाल बधम् (प्रथम सर्गी, अभिज्ञान शाकुन्तलम और मृच्छकटिकम, गद्यकाव्य, खण्डकाव्य, महाकाव्य एवं नाट्यकाव्य के उद्भव और विकास का सामान्यस परिचय |

खण्ड ख - संस्कृत वाडंमय में प्रतिविम्बित भारतीय दर्शन

इस खण्ड में श्रीमद्भागवद्गीता, तर्कभाषा, साख्यकारिका तथा वेदान्तसार के अनुसार प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों का सामान्य परिचय |

खण्ड ग - काव्यशास्त्र

(साहित्य दर्पण एवं काव्य प्रकाश के अनुसार), काव्य लक्षण, प्रयोजन, शब्दवृत्तियां, ध्वनि, रस एवं निम्नलिखित अलंकारों का परिज्ञान-अनुप्रास, यमक श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, शभ्रान्तिमानू, अतिशयोक्ति, स्वभोक्ति विरोभास तथा पारिसंख्या |

खण्ड घ - भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

भाषा का उद्भव एवं विकास, ध्वनि परिवर्तन तथा अर्थपरिवर्तन, सभी गुणों की प्रतिनिधि घातुओं का दसों लकारों में रूप (लघु सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर) सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर सभी कारकों, विभक्तियों एवं समास का प्रक्रियात्मक ज्ञान। निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोगात्मक ज्ञान-कृत-तव्यत, अनीयर, यत् धंश तृच..... क्त, क्तवतु, कत्वा, ल्ययू, शत् शानूच, तुमुन तद्धित-अक क्तुप, मतुप, ढक, ढकी, फक, ख, यत् एवं छास्त्री प्रत्यय-टाप डप्र, डीप डीन। विशेष - उक्त प्रत्यय लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर प्रेष्टव्य है |

खण्ड ड - रचना एवं पारिभाषिक पद

(क) संस्कृत सुभाषित एवं सूक्तियों का परिज्ञान, अशुद्धि परिमार्जन और वाक्य परिवर्तन |
(ख) नाटक में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान |

pgdime.com